सामाजिक नागरिक संस्थाओं के लिए
पारदर्शिता और जवाबदेहिता के मूल्य एवं व्यवहार

सामाजिक नागरिक संस्थाओं के लिए पारदर्शिता और जवाबदेहिता के मूल्य एवं व्यवहार जरूरी क्यों? सामाजिक नागरिक संस्थाओं की समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। संस्थाएं जिस तरह की सामाजिक और शासन व्यवस्था का सपना देखती हैं, उसी तरह की व्यवस्था को अपने भीतर लागू करना भी जरूरी होता है। इस व्यवस्था के दो अहम् मूल्य हैं - पारदर्शिता और जवाबदेहिता। यही दो ऐसे बुनियादी मूल्य हैं जो समाज और शासन व्यवस्था में संस्थाओं की भूमिका और प्रासंगिकता के प्रति स्वीकार्यता और विश्वसनीयता का निर्माण करते हैं। इन्हें अपनाने का मतलब है संस्था स्वयं पहले करके अपने मंतव्य, सपने, लक्ष्य, कार्यक्रमों, संस्थागत व्यवस्थाओं और वित्तीय संसाधनों के बारे में जानकारियाँ प्रस्तुत करने के लिए तत्पर है।

किस बारे में?

- संस्था के विजन और मिशन के बारे में
- संस्था के नज़रिए और पक्षधरता के बारे में
- संस्था उद्देश्यों और रणनीतियों के बारे में
- संस्था के मूल्यों और सिद्धांतों के बारे में
- संस्था के कार्यक्रमों और परियोजनाओं के बारे में
- संस्था के संसाधनों और बजट के बारे में
- संस्था के कार्यक्रमों के परिणामों और अनुभव के बारे में
- संस्था से जुड़े व्यक्तियों के बारे में
- बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षण और सम्मान की व्यवस्था के बारे में
- संस्था की समता, विविधता, पारदर्शिता की नीतियों और
- शिकायत निवारण व्यवस्था के बारे में

किनके प्रति?

- संस्था के कार्यपरिषद और साधारण सदस्यों के प्रति
- संस्था के कार्यक्रम क्रियान्वयन करने वाले सदस्यों के प्रति
- समुदाय और सामुदायिक समूह के सदस्यों के प्रति
- देश की नियामक और न्याय व्यवस्था के प्रति
- आम लोगों के प्रति
- संस्था को संसाधन उपलब्ध कराने वालों के प्रति

पारदर्शिता और जवाबदेहिता के माध्यम

- छः माही रिपोर्ट
- वार्षिक रिपोर्ट
- संस्था के कार्यक्रमों की मूल्यांकन रिपोर्ट
- ऑडिट रिपोर्ट
- वेबसाइट पर कार्यक्रमों और वित्तीय व्यवस्था की रिपोर्ट
- संस्था की नीतियों के क्रियान्वयन की रिपोर्ट
- सूचना का अधिकार लागू करना

संस्थागत सूचना और संचार नीति

- आवश्यक है कि संस्थाओं की अपनी स्पष्ट संचार नीति हो
- जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि नियमित रूप से अलग-अलग व्यक्तियों और समूहों को कैसे जरूरी जानकारी प्रदान की जायेगी
- संस्था के अनुभवों और सीखों को कैसे साझा किया जाएगा?
- सोशल मीडिया और वेबसाईट के प्रबंधन की व्यवस्था कैसे होगी?
- संस्था के सदस्यों के संचार कौशल को कैसे विकसित किया जाएगा?

विकास संवाद

रणनीतिक संचार केंद्र (विकास संवाद का उपक्रम)

ए-5, आयकर कॉलोनी, जी-3, गुलमोहर कॉलोनी, बावड़िया कलां, भोपाल (म.प्र.)-462039

फोन नं. : 0755-4252789, ईमेल : communication@vssmp.org / www.vssmp.org